

- **यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का प्रभाव:**
 - रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण ने न केवल बड़े पैमाने पर भू-राजनीतिक अनश्चितता पैदा की है बल्कि वैश्विक **मुद्रास्फीति** को भी बढ़ा दिया है।
 - पश्चिम द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों ने स्थिति को और भी खराब कर दिया है।
 - कई देशों में ऐतिहासिक मुद्रास्फीति के उच्च स्तर ने इन देशों में कर्य शक्ति को कम कर दिया है, इस प्रकार आर्थिक विकास को धीमा कर दिया है।
- **बढ़ती मुद्रास्फीति का प्रभाव:**
 - उच्च मुद्रास्फीति के जवाब में देशों के केंद्रीय बैंकों ने ब्याज दरों में वृद्धि की है जिसके कारण आर्थिक गतिविधियों में कमी आई है।
 - यूएस और यूके जैसी कुछ प्रमुख अर्थव्यवस्थाएँ मंदी का सामना करने के लिये तैयार हैं; अन्य, जैसे कथिरो क्षेत्र के देशों की गति धीमी होकर लगभग ठप होने की संभावना है।
- **प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की मंदी:**
 - वैश्विक विकास के प्रमुख इंजनों में से एक चीन में तीव्र मंदी देखी जा रही है क्योंकि यह एक रियल एस्टेट संकट से जूझ रहा है।
- **बढ़ते भू-राजनीतिक मतभेद:**
 - विश्व की अर्थव्यवस्था भू-राजनीतिक बदलावों से जूझ रही है, जैसे कि **अमेरिका और चीन के बीच तनाव**, जिन्हें दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ माना जाता है या फरि ब्रेकजटि नरिणय के मद्देनज़र ब्रिटिन और यूरोपीय क्षेत्र के बीच व्यापार में गरिावट।

G-20 समूह:

- **परिचय:**
 - G20 का गठन वर्ष 1999 के दशक के अंत के वित्तीय संकट की पृष्ठभूमि में किया गया था, जिसने विश्व रूप से पूरवी एशिया और दक्षिण-पूरव एशिया को प्रभावित किया था।
 - इसका उद्देश्य मध्यम आय वाले देशों को शामिल करके वैश्विक वित्तीय स्थिरता को सुरक्षित करना है।
 - साथ में G20 देशों में दुनिया की 60% आबादी, वैश्विक जीडीपी का 80% और वैश्विक व्यापार का 75% शामिल है।
- **सदस्य:**
 - G20 समूह में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील, कनाडा, चीन, यूरोपियन यूनियन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, कोरिया गणराज्य, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं।

आगे की राह

- जी-20 देशों का पहला काम बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण करना है।
 - साथ ही सरकारों को कर्रज के स्तर को अनविार्य रूप से बढ़ाए बना कमज़ोर लोगों की मदद करने के तरीके खोजने होंगे। इससे संबंधित एक प्रमुख चिंता यह सुनिश्चित करना होगा कि **बाहरी ज़ोखमिों की सावधानीपूरवक नगिरानी की जाए।**
- एक मज़बूत, टिकाऊ, संतुलित और समावेशी रकिवरी के लिये G-20 द्वारा संयुक्त कार्रवाई की आवश्यकता है और बदले में इस तरह की संयुक्त कार्रवाई के लिये **यूक्रेन में शांतिस्थापति करने के साथ-साथ "आने वाले समय में उसके वखिंडन को रोकने में मदद" की भी आवश्यकता है।**
- व्यापार को लेकर G-20 नेताओं को **"अधिक खुले, स्थिर और पारदर्शी नियम-आधारित व्यापार"** पर ज़ोर देने की आवश्यकता है जो वस्तु की वैश्विक कमी को दूर करने में मदद करेगा।
 - वैश्विक मूल्य शृंखलाओं के लचीलेपन को मज़बूत करने से भविष्य के झटकों से बचने में मदद मिलेगी।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

प्रश्न: नमिनलखिति में से कसि एक समूह में चारों देश G-20 के सदस्य हैं?

- अर्जेंटीना, मेक्सिको, दक्षिण अफ्रीका और तुर्की
- ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, मलेशिया और न्यूज़ीलैंड
- ब्राज़ील, ईरान, सऊदी अरब और वयितनाम
- इंडोनेशिया, जापान, सगिापुर और दक्षिण कोरिया

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- G-20 अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक के प्रतिनिधियों के साथ 19 देशों तथा यूरोपीय संघ का एक अनौपचारिक समूह है।
- मज़बूत वैश्विक आर्थिक विकास के लिये सदस्य देश जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 80% से अधिक का प्रतिनिधित्व और योगदान करते हैं, अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिये प्रमुख मंच पर आए, जिस पर सितंबर 2009 में पेंसल्वेनिया (USA) में पटिसबर्ग शखिर सम्मेलन में नेताओं

द्वारा सहमत वियक्त की गई थी।

- G-20 के सदस्यों में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, कोरिया गणराज्य, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ (EU) शामिल हैं।

अतः विकल्प (a) सही है।

[स्रोत: दृष्टि](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/g-20-summit-2022>

